कुछ कृषि उत्पादों पर शुल्क घटा सकता है भारत

रॉयटर्स
नई दिल्ली, 28 मार्च

भारत ने अमेरिका को और रियायत देते हुए बादाम तथा क्रैनबेरी जैसे कृषि उत्पादों के आयात पर शुल्क में कटौती करने का प्रस्ताव रखा है। इस कदम को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा अगले सप्ताह व्यापार में भागीदार देशों पर लागू किए जाने वाले बराबरी के शुल्क से बचने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। मामले से अवगत दो सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।

चीन, कनाडा और यूरोपीय संघ के उलट भारत ट्रंप प्रशासन को खुश करने की कोशिश में जुटा है। इसके साथ ही भारत अमेरिका के आधे से अधिक करीब 23 अरब डॉलर मूल्य के आयात पर भी शुल्क घटाने के लिए तैयार है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से इस सप्ताह की शुरुआत में इस बारे में खबर दी थी।

घटनाक्रम के जानकार एक सूत्र ने बताया कि दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ब्रेंडन लिंच के साथ नई दिल्ली में हुई बैठकों में भारत ने बरबन व्हिस्की, बादाम, अखरोट, क्रैनबेरी, पिस्ता और दाल जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती करने पर सहमति व्यक्त की है।

दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय चर्चा आज देर रात समाप्त होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बीते गुरुवार को कहा था कि व्यापार वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और द्विपक्षीय व्यापार समझौता प्रगति पर है। इससे दोनों देशों को लाभ होगा।

सरकार से जुड़े एक अन्य सूत्र ने नाम उजगार नहीं करने की शर्त पर कहा, 'भारतीय वार्ताकारों की प्राथमिकता अनुकूल सौदे पर सहमति बनाने की है।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने खास तौर पर कृषि उद्योग और कुछ अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी प्राथमिकताओं को भी अपने प्रस्ताव में जोड़ा है। इस बारे में जानकारी के लिए वाणिज्य मंत्रालय को ईमेल भेजा गया लेकिन जवाब नहीं आया। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, 'गोपनीय राजनयिक चर्चाओं के बारे में हमारे पास साझा करने के लिए कुछ भी नहीं है।' भारत ने पिछले महीने बरबन व्हिस्की के आयात पर शुल्क 150 फीसदी से घटाकर 100 फीसदी कर दिया था। हालांकि क्रैनबेरी, बादाम, अखरोट जैसे कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क 30 फीसदी से 100 फीसदी तक है और अमेरिका से आयात होने वाली दालों पर लगभग 10 फीसदी शुल्क लगता है।

एक सूत्र ने कहा कि डेरी उत्पादों, चावल, गेहूं और मक्का के आयात पर शुल्क घटाने के लिए सरकार तैयार नहीं है। दूसरी ओर भारत चावल के अलावा अमेरिकी बाजार में अनार और अंगूर जैसे फलों के निर्यात के लिए अधिक बाजार की मांग कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि वार्ताकारों के बीच द्विपक्षीय समझौते के पहले चरण की व्यापक रूपरेखा पर सहमति बनने की उम्मीद है, जिस पर 2025 के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता

- सूत्रों ने कहा कि भारत ने बादाम और क्रैनबेरी जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क घटाने की पेशकश की है
- सरकार से जुड़े सूत्रों ने कहा कि भारत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कर रहा पहल
- सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के साथ तीन दिवसीय वार्ता में तमाम मुद्दों पर हुई गहन चर्चा